THE DEPUTY CHAIRMAN : I think that will do. Next question.

GRANT OF LICENCE TO BOMBAY FILM STAR TO IMPORT STAINLESS STEEL

*536. SHRIMATI SARLA BHADAURIA : Will the Minister of STEEL, MINES AND METALS be pleased to state :

(a) whether any Bombay film star was given a licence to import 11 tonnes of stainless steel;

fb) if so, what is the name of the film star;

<(c) when the licence was given and the reasons therefor;

(d) what was the value of the steel imported by the film star; and

(e) the manner in which the steel was utilized ?

इस्पात, खान और खनिज मंत्रालय में उपमंत्री (श्री चौधरी रामसेवक) : (क) से (ङ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

श्रीमती सरला भदौरिया : माननीय मंत्री ने कुछ दिन पहले कलकत्ता में एक बयान दिया था इसके विषय में कि यह सरकार बहुत अजीब है जो स्टेनलेस स्टील उद्योगों में लगाने के बजाय फिल्म स्टारों को देती है। जब उन्होंने यह बयान दिया था तो उनकी जानकारी में ऐसी बातें कैसे नहीं हैं? जब उनकी जानकारी में ये बातें थीं तभी तो उन्होंने इस तरह का बयान दिया था। इसके अतिरिक्त में यह जानना चाहती हूं कि क्या वे कोई ऐसी इनक्वायरी बिठाना चाहते हैं जो इसकी जांच करे? तीसरी बात यह है कि क्या उस कमेटी में पार्लियामेंट के मेम्बर्स भी रखे जायेंगे ?

$[ ] English translation.

t[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF STEEL, MINES AND METALS (SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) to (e) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.]

डा० एम० चन्ना रेड्डी : उप सभापति महोदया, इसमें तीन सवालात हैं। एक तो यह है कि मैंने किसी वक्त कहा था कि यह सरकार अजीब है जो ऐसे गलत काम कर रही है। नहीं मालूम किस तरह से आनरेबिल मेम्बर को यह गलतफहमी हुई है। बात यह है कि जब मैं आंध्र में इंडस्ट्रीज मिनिस्टर था तो एक रेप्रिजेंटेशन आया था कि स्टेनलेस स्टील का कोटा बहुत कम है, हम को दूसरी जगहों से खरीदना पड़ता है और हमारे अलावा दूसरे लोग जो इंडस्ट्रीज को ज्यादा ठीक ढंग से नहीं चलाते उनको वह दिया जाता है। इस किस्म का उन्होंने एक रेप्रिजेंटेशन दिया था। तो यह हो सकता है कि कुछ लोग स्टेनलेस स्टील का कोटा लें और उसका पूरा पूरा इस्तेमाल न करें, यह भी उसमें था। जब लिबरेलाइजेशन आफ इम्पोर्टस की पालिसी सेंट्रल गवर्नमेंट ने कुछ देर पहले डिवल्यूएशन के बाद शुरू की, उस वक्त चर्चा करते हुए इस बात का जिक्र किया गया था इस लिहाज से दूसरा और तीसरा सवाल जो है कि इस सिलसिले में जांच करने के लिये कोई कमेटी बैठाई जाय और उसमें पार्लियामेंट के सदस्यों को लिया जाय, वह पैदा नहीं होता।

شری اے - ایم - طارق : میں منسٹر صاحب سے یہ عرض کرنا چاہتا ہوں کہ یہ سوال بڑا آسان ہے -

"(a) whether any Bombay film star was given a licence to import 11 tonnes of stainless steel;"

منسٹر صاحب اور منسٹری اس پوزیشن میں نہیں ہیں کہ وہ عوام کے سامنے ہاں کہے یا نہیں کہے - اس میں کوئی پبلک انٹرسٹ کی بات نہیں ہے - میرا اصلی سوال یہ ہے کہ وزیر صاحب کو یہ معلوم ہوگا کہ پچھلے پانچ دس سال میں اسٹین لیس اسٹیل کے لائسنس کے بارے میں اس ملک میں کافی زور رہا اور کچھ لوگوں نے لائسنس لے کر کے اس کو بازار میں

بیچ دیا جو وزیر صاحب کو اور وزارت کو بھی معلوم ھے – اس مقصد کے پیش نظر کیا یہ ضروری نہیں ھے کہ اس سلسلہ میں ایک کمیشن آف انکوائری بٹھایا جائے اور عوام کے سامنے رکھا جائے کہ لائسنس دوست طریقے پر دیئے گئے یا نہیں – لائسنس کا صحیح استعمال ھوا یا نہیں اور کتنا پیسہ اس میں بلیک میں بنایا گیا ?

†[**श्री ए० एम० तारिक :** मैं मिनिस्टर साहब से यह अर्ज करना चाहता हूं कि यह सवाल बड़ा आसान है—

"(a) whether any Bombay film star was given a licence to import 11 tonnes of stainless steel;"

मिनिस्टर साहब और मिनिस्ट्री इस पोजीशन में नहीं हैं कि वह अवाम के सामने हां कहे या नहीं कहे इसमें कोई पब्लिक इन्ट्रेस्ट की बात नहीं है। मेरा असली सवाल यह है कि वजीर साहब को यह मालूम होगा कि पहले पांच दस साल में स्टेनलेस स्टील के लाइसेंस के बारे में इस मुल्क में काफी जोर रहा और कुछ लोगों ने लाइसेंस ले कर के उसको बाजार में बेच दिया जो वजीर साहब को और वजारत को भी मालूम है। इस मकसद के पेशे नजर क्या यह जरूरी नहीं है कि इस सिलसिले में एक कमीशन आफ इन्क्वायरी बिठाया जाए और आवाम के सामने रखा जाए कि लाइसेंस दुरुस्त तरीके पर दिए गये या नहीं। लाइसेंस का सही इस्तेमाल हुआ या नहीं और कितना पैसा इसमें ब्लैक में बनाया गया ?]

डा० एम० चन्ना रेड्डी : सवाल यह है कि इसके इस्तेमाल में किस हद तक दुरुपयोग होता है। जब किसी चीज की बहुत ही किल्लत होती है तो उससे इस किस्म की बहुत सी बातें पैदा हो जाती हैं। इसके माने यह भी नहीं हैं कि इसमें दुरुपयोग नहीं हुआ। लेकिन यह काम सारा स्टेट गवर्नमेंट्स पर है जिन को कोटा दिया जाता है और वे स्टेनलेस स्टील की इंडस्ट्रियल युनिट में उसको इस्तेमाल करती हैं।

DR. (MRS.) MANGLADEVI TALWAR : Madam, I would like to know from the hon. Minister whether a statement of his has appeared in the Engineering Times of India and whether he has made enquiries about the correctness of this statement. Is it true that the Minister himself made the statement, afier he had taken over charge of the portfolio, that in his Ministry the quota of stainless steel being given to industry-has been allotted to a film star of Bombay ? If that is correct, I would also like to know the name of the film star.

DR. M. CHANNA REDDY : As I have said already, Madam, the question of the statement or the press report that has appeared is what I have already referred to, and that is true. It is in the Engineering Times to which the hon. Member has made reference.

THE DEPUTY CHAIRMAN : He is collecting the materials.

SHRI LOKANATH MISRA : Madam, it seems that the youthful Minister fell a victim to the charm of some film star and that is why he is not disclosing the name. Now, Madam, . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN : He wants to know whether it was he or she.

DR. M. CHANNA REDDY : As long as I do not know the name I could not say "he" or "she".

SHRI LOKANATH MISRA : Now, Madam, the fact is this, the question is whe'her this particular licence was given to the film star and if so, whether the film star owns a factory for use of this particular stainless steel that was allotted to him or her. If it is 'she' there is greater chance of your being charmed, and if it is 'he' I do not think any of the film stars owns a stainless steel factory and has used this stainless steel. Naturally it has gone all black. Now you must have got the notice fourteen days earlier. What was the difficulty in your getting the information whether such a licence was given and *to* whom it was given?

f[JHindi transliteration.

DR. M. CHANNA REDDY : Madam, you see it is very difficult to reply, because if I were to say it is a "he", I would be leaving the "she" to charm the hon. Member, and I were to say it is a "she" he would say *I* am being charmed. I can only say if it is a "he" or a "she" when I know the name. I do not know the name. I am not interested in concealing anything. The Iron and Steel Controller has been requested to locate the person, if possible. If the hon. Member can pass on any name without showing any interest or partiality I will certainly look into it.

EXPENDITURE ON Expo-67

*537. SHRI M. P. BHARGAVA : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) what was the budget for the Indian pavilion at Expo-1967 at Montreal;

(b) what is the actual expenditure incurred upto 30th November, 1967; and

(c) whether there has been any appreciable foreign exchange earning as a result of India's participation in the exhibition ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) Sanction was accorded for expenditure in foreign exchange not exceeding C$33-35 lakhs (Rs. 2-22 crores) and for expenditure in India not exceeding Rs. 30-00 lakhs.

(b) The expenditure on India's participation in the Expo-67 up to the 30th November, 1967 is being compiled. However, up to 31st October, 1967 the expenditure booked amounted toRs. 1,96,49,127-08.

(c) Yes, Madam. Orders to the extent of C$5,49,450-00 (Rs. 36,63,000-00) have been booked and/or under negotiation up to the 31st October, 1967 as a result of our participation. Also there have been many trade enquiries in both traditional and non-traditional items which are being pursued by the concerned exporters, manufacturers and organisations in India. Besides, on-the-spot sales amounting to C$12,86,529-61 (Rs. 85,76,864-07) took place at the boutiques and 084,85,589-88 (Rs. 32,37,265-86) at the Indian Restaurant established there, making a total of 0817,72,119-49 equivalent to Rs. 1,18,14, [12]9'93- Our participation in Expo '67 has also been a means of extensive publicity for India including its exportable merchandise.

SHRI M. P. BHARGAVA : I have no question to ask, Madam.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या मंत्री महोदय यह बतायेंगे कि जब कभी भी इस तरह की प्रदर्शनियां होती हैं उनमें हम भाग लेते हैं और उसके बाद जब यहां पर प्रश्न पूछे जाते हैं तो यह बताया जाता है कि उसका बड़ा भारी असर हुआ, हमारा निर्यात बढ़ा लेकिन जो अभी तक रिकार्ड है, स्टेटिस्टिक्स है उसके आधार पर जो प्रगति हमने अपेक्षित की थी वह नहीं हो पाई और इसकी वजह से हम धीरे-धीरे मार्केट लूज करते जा रहे हैं, ऐसी स्थिति में क्या इसका कोई खास कारण नहीं है कि इन प्रदर्शनियों में हमें जिस ढंग से भाग लेना चाहिए और जिस ढंग से एफेक्टिव बनाना चाहिए वैसे एफेक्टिव नहीं बना सके और उसकी वजह से हमारी अपेक्षा के अनुसार एक्सपोर्ट नहीं बढ़ पाता है ?

شری محمد شفیع قریشی : جہاں تک ان نمائشوں میں یا فیرس میں حصہ لینے کی بات ہے - ہمارا تجربہ یہی ہے کہ ہمیں کافی حد تک کامیابی ہوئی ہے -

†[**श्री मोहम्मद शफी कुरेशी :** जहां तक इन नुमायशों में या फेयर्स में हिस्सा लेने की बात है हमारा तजुर्बा यही है कि हमें काफी हद तक कामयाबी हुई है ।]

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : स्टेटिस्टिक्स यही बताती हैं कि एक्सपोर्ट घटता जा रहा है ।

شری محمد شفیع قریشی : سوال یہ ہے کہ ایکزبیشنس پیسہ کمانے کے لئے نہیں ہوتیں اور ہم وہاں انڈیا کا جو ترقی کرتا ہوا صنعتی پہلو ہے اسے نمایاں کرنے کے لئے اس میں حصہ لیتے ہیں -

t[ ] Hindi transliteration.